Youth & Women

युवा• महिला• संस्कृति• समाज

बीएससी एक्चुरियल साइंस कोर्स करके लाखों रुपये का पैकेज पा सकते हैं युवा

जनता कॉलेज में है कोर्स की सुविधा, प्रदेश के अन्य किसी विश्वविद्यालय या कॉलेज में नहीं है यह कोर्स

संवाद न्यूज एजेंसी

चरखी दादरी। बीएससी एक्चुरियल साइंस कोर्स विद्यार्थियों के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। इस कोर्स के बाद विद्यार्थियों को इंश्योरेंस कंपनियां लाखों रुपये का पैकेज देती हैं। हरियाणा में यह कोर्स केवल जनता कॉलेज में ही है।

कॉलेज में पिछले वर्ष 80 सीटों के साथ यह कोर्स शुरू किया था लेकिन विद्यार्थियों को इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं होने की वजह कुछ सीटें खाली रह गई थीं। इस बार भी सभी सीटें फुल भरी जाने की उम्मीद है।

इंश्योरेंस, फाइनेंस और अन्य उद्योगों में जोखिम प्रबंधन का आकलन करने के लिए गणितीय और सांख्यिकीय तरीकों को लागू करने वाले अनुप्रयोगों के अध्ययन को ही एक्चुरियल साइंस कहा जाता है।

साइंस एक्चुरिज, एक ऐसे बिजनेस प्रोफेशनल्स हैं जो जोखिम और अनिश्चितता के आकलन, माप और मैनेजमेंट में बहुत मदद करते हैं। जनता महाविद्यालय के प्रोफेसर नीरज गर्ग ने बताया कि यह कोर्स करने के बाद सोसाइटी ऑफ इंडिया का क्वालीफाइंग पेपर होता है। उसको पास करने के बाद उक्त सोसायटी 14 पेपर लेती हैं।

अगर उनमें 9 से 12 पेपर भी उम्मीदवार पास कर लेता है तो उसको 30 से 50 लाख रुपये सालाना पैकेज बीमा कंपनी देती हैं। अगर 4 से 6 पेपर पास करता है तो उसको 12 से 15 लाख रुपये का सालाना पैकेज आराम से मिल जाता है।

जनता विद्या मंदिर महाविद्यालय का मुख्य द्वार। संवाद

> *एक्चुरियल साइंस कोर्स महाविद्यालय में पिछले साल शुरू हुआ था। हरियाणा में यह कोर्स किसी अन्य विश्वविद्यालय और महाविद्यालय में नहीं है। स्टाफ आदि की पूरी व्यवस्था है। कॅरिअर बनाने के लिए यह कोर्स बहुत अच्छा है।*
> **-नीरज गर्ग, एडमिशन कॉर्डिनेटर, जनता महाविद्यालय।**

चैप्टर समझ नहीं आने पर दिल्ली से आते हैं शिक्षक

प्रोफेसर नीरज गर्ग ने बताया कि प्रदेश के अन्य किसी विश्वविद्यालय या महाविद्यालय में यह कोर्स उपलब्ध नहीं है। केवल जनता महाविद्यालय में यह कोर्स करवाया जाता है। इसमें विद्यार्थी को अर्थशास्त्र, गणित, सांख्यिकी तथा बीमा आदि विषय पढ़ने होते हैं। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में लगभग इसका पूरा स्टाफ है। अगर विद्यार्थी को कोई चेप्टर समझ नहीं आया तो उसके लिए महाविद्यालय ने दिल्ली की एक बड़ी संस्था से टाइअप किया हुआ है। उस संस्था के शिक्षक यहां आकर उस चेप्टर को पढ़ाकर जाएंगे।

लड़कियों व महिलाओं